वार्षिक बकरी स्वास्थ्य – सुरक्षा चक्र

(बकरियों के आर्थिक रुप से महत्वपूर्ण रोगों से रोकथाम एवं प्रबन्धन हेतु)

टीकाकरण

टीकाकरण का विवरण	प्रारम्भिक टीकाकरण		पुनः टीकाकरण
	प्रथम टीका	बूस्टर टीका	
खुरपका–मुंहपका (F.M.D.)	3 माह की आयु	प्राथमिक टीकारण के 3–4 सप्ताह के पश्चात्	6 माह / प्रतिवर्ष ’
बकरी प्लेग (P.P.R.)	3 माह की आयु	आवश्यक नहीं	3 वर्ष पश्चात्
बकरी चेचक (Goat Pox) ’’	3–5 महीने की आयु	प्रथम टीकाकरण के 1 माह के पश्चात्	प्रतिवर्ष ’
आंत्र विषाक्तता/ इन्टेरोटाक्सीमिया (E.T.)	3 माह की आयु	प्रथम टीकाकरण के 3–4 सप्ताह के पश्चात् दूसरा टीका	6 माह / प्रतिवर्ष ’
गलघोंटू/हिमोरेजिक सेप्टीमीया (H.S.)	3 माह की आयु	प्रथम टीकाकरण के 3–4 सप्ताह कें पश्चात्	6 माह / प्रतिवर्ष ’
’ कम्पनी के निर्देशानुसार		’’ **भेड़ों के लिये भेड़ चेचक का टीका लगवायें।**	

सामूहिक रोग नियंत्रण			
रोग–विवरण	आयु	उपचार का समय	विशेष विवरण
काक्सीडियोसिक Coccidiosis (Drenching)	1–3 माह पर 3–6 दिन तक	1–6 माह की आयु के बीच ही रोग का प्रभाव रहता है	काक्सीडियामारक दवा (एमप्रोलियम / 50–100 मिलीग्राम / किलोग्राम शारीरिक भार अनुसार 5 दिनों तक) निर्धारित मात्रा में पिलानी चाहिए।
अन्तः परजीवी (Deworming)	3 माह की आयु में	वर्षा ऋतु के प्रारम्भ एवं अन्त में	सभी पशुओं को एक साथ दवा पिलानी चाहिए (फेनबेन्डाजोल 7.5 –10 मिलीग्राम / किलोग्राम शारीरिक भार अनुसार ।
बाह्य परजीवी (Dipping) ’	समस्त आयु वर्गों में	शरद ऋतु के प्रारम्भ एवं अन्त में	सभी पशुओं को एक साथ नहलाना चाहिए।
’ डिपिंग में मौसम का विषेश ध्यान रखें (वर्षा के दिनों को छोड़ दें) तथा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक का समय ही उपयुक्त है ।			

नियमित आवश्यक परीक्षण (Screening)		
रोग(बीमारियाँ)	अवधि/ अन्तराल	विशेष विवरण
ब्रुसेल्लोसिक (Brucellosis)+	6 माह/ प्रतिवर्ष	संक्रमित पशुओं को तुरन्त वध कर गहरे गडडे में दफन करें।
जोहन्स बीमारी (Johne's Disease)	6 माह/ प्रतिवर्ष	संक्रमित पशुओं को झुन्ड से तुरन्त निकाल देना चाहिए।
माइकोप्लाज्मा (Mycoplasmosis)	प्रतिवर्ष	रोग की चिकित्सा जीवाणु नाशक दवाओं द्वारा करनी चाहिए।
थनैला (Mastitis)	प्रति ब्यांत	रोग की चिकित्सा जीवाणु नाशक दवाओं द्वारा तुरन्त करनी चाहिए।
बाहय व अन्तः परजीवी रोग के लिए	समय – समय पर	नियमित मल एवं शारीरिक भार की जॉच आवश्यक है ।

महत्वपूर्णः

1. टीकाकरण के समुचित लाभ हेतु टीकाकरण से पूर्व परजीवी नाशक दवा पिलाना उपयुक्त रहता है।
2. पहले तीन माह तक बकरी के बच्चे की सुरक्षा हेतु खीस / कीला प्रथम दूध (Colostrum) को पिलाना आवश्यक है।
3. अधिक जानकारी हेतु केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मकदूम, फरह, मथुरा– 281122, उत्तर प्रदेश की हेल्पलाइन की सुविधा
4. 0565–2763320 पर सम्पर्क करें (समय सुबह 10 से सॉय 5 बजे तक, सार्वजनिक अवकाश को छोड़ कर) ।